Dainik Bhaskar (Indore), 09th September 2026, Front Page – 06

WORK TOGETHER

सक्षम केंद्र के तहत एक-दूसरे के साधनों का उपयोग कर पाएंगे, देवी अहिल्या विवि भी होगा शामिल

6 संस्थानों के 165 प्रोफेसर जुड़ेंगे IIT से, मिलकर करेंगे रिसर्च

सिटी रिपोर्टर • इंदौर

अब इंदौर समेत आसपास के शहरों के लोगों को इलाज, मेडिकल जांच, ऊर्जा, पर्यावरण और नई तकनीक से जुड़े बेहतर समाधान मिलने की उम्मीद है। आईआईटी इंदौर को राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की साझेदारी वाली रिसर्च योजना के तहत सक्षम् केंद्र के रूप में चुना गया है। संस्थान को राष्ट्रीय स्तर की दो बड़ी रिसर्च परियोजनाओं की जिम्मेदारी मिली है। इसके तहत डीएवीवी समेत छह संस्थानों के 165 प्रोफेसर IIT के साथ काम करेंगे।

तीन क्षेत्रों में होगा काम

- **नई सामग्री :** मजबूत और बेहतर उपयोग वाली नई सामग्री बनाना।
- **पर्यावरण और ऊर्जा :** प्रदूषण, ऊर्जा बचत और पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान तलाशना।
- **स्वास्थ्य और मेडिकल तकनीक :** बीमारी की जल्द जांच, बेहतर इलाज और नए मेडिकल उपकरण विकसित करना।

यह संस्थान होंगे साथ

आईआईटी इंदौर के साथ डीएवीवी, विक्रम विवि उज्जैन, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल, बुंदेलखंड विवि, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र और राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विवि जुड़ेंगे। अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ प्रोजेक्ट तैयार कर रिसर्च की सुविधाएं साझा करेंगे। IIT से जुड़े दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने 2024-25 में 94 रिसर्च प्रोजेक्ट को सहयोग दिया।

डिजिटल हेल्थ पर भी बड़ा काम: आईआईटी इंदौर को देश के 4 टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क में शामिल किया गया है। यहां डिजिटल हेल्थ पर करीब 100 करोड़ रुपए के स्तर पर काम होगा। इसका उद्देश्य ऐसी तकनीक तैयार करना है, जिसका इस्तेमाल अस्पतालों और आम लोगों तक हो सके। नई तकनीक का परीक्षण कर उसे अस्पतालों, कंपनियों और संस्थाओं तक पहुंचाने पर भी काम होगा।

आम लोगों को क्या फायदा?

- बीमारी की जल्दी और बेहतर जांच की तकनीक विकसित हो सकती है।
- इलाज और मेडिकल उपकरणों की नई सुविधाएं तैयार होंगी। रिसर्च का फायदा अस्पतालों तक पहुंचेगा।
- ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक समाधान मिलेंगे।
- IIT में तैयार तकनीक स्टार्टअप और कंपनियों के जरिए बाजार पहुंचेगी।